न्यूज डायरी

संबंधों को मजबूत करने अगले माह भारत आ सकते हैं नेपाल के पीएम देउबा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के जनवरी की शुरुआत में भारत आने की संभावना है। मामले पर जानकारी रखने वाले सूत्रों ने एएनआई को इसकी पुष्टि की। नेपाल के विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने नेपाली समकक्ष को भारत यात्रा के लिए आमंत्रित किया था। एमओएफए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एएनआई को सूचित किया, नेपाली पीएम देउबा को यात्रा के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया गया है। यह उनकी दूसरी विदेश यात्रा होगी। उनके अगले साल जनवरी के शुरुआती हफ्तों में भारत की यात्रा शुरू करने की संभावना है। इस मामले से अवगत काठमांडू में भारतीय दूतावास के एक सूत्र ने भी पुष्टि की कि भारतीय समकक्ष द्वारा देउबा को आमंत्रित किया गया है। मामले से वाकिफ सूत्र ने पुष्टि की, श्यह ग्लासगो जलवायु शिखर सम्मेलन के कुछ महीनों बाद आता है।

कोविड–19 से निपटने के लिए हमें इस आपदा के बीच रहना सीखना होगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोरंटो। कनाडा पिछले 700 दिन से कोरोना वायरस वैश्विक महामारी की मार झेल रहा है और अब भी इस आपदा की स्थिति गंभीर और हतोत्साहित करने वाली है। कनाडा में 22 दिसंबर को संक्रमण के 12,114 नए मामले सामने आए, जो वैश्विक महामारी की शुरुआत से अब तक के सर्वाधिक दैनिक मामले हैं। कनाडा में यह लगातार दूसरा साल है, जब वैश्विक महामारी के कारण त्योहारी सीजन में प्रतिबंध लगाए गए हैं, कई गतिविधियों का पैमाना छोटा किया गया है और कई कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। कोविड–19 के कारण मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 30,000 से अधिक हो गई है। इस समय, इस आपदा से बाहर निकलने का तरीका खोजना संघीय एवं प्रांतीय सरकारों के बस की बात नहीं है। ऐसे में कनाडा के लोगों को वैश्विक महामारी से अपने संबंधों पर पुनर्विचार करना होगा और निकट भविष्य में निरंतर आपदा की स्थिति में रहना सीखना होगा।

पाकिस्तान में परमाणु तबाही ला सकती है भारत की अग्नि पी मिसाइल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। सैकड़ों परमाणु बमों से लैस चीन–पाकिस्तान के खतरे का सामना कर रहे भारत के अग्नि प्राइम मिसाइल परीक्षण की गूंज दुनियाभर में सुनी जा रही है। अमेरिकी विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की नई पीढ़ी की यह मिसाइल मात्र कुछ सेकंड में पाकिस्तान को तबाह करने की बेजोड़ ताकत रखती है। उन्होंने कहा कि इस मिसाइल की सबसे बड़ी खासियत इसका कनस्तर के अंदर बंद होना है। टिन के डब्बे में बंद होने की वजह से इस मिसाइल में परमाणु बम को फिट करने में लगने वाला समय नहीं लगता है और भारत बहुत जल्द भीषण हमला करने में सक्षम हो गया है। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट की ताजा रिपोर्ट में अग्नि पी की खासियत के बारे में बताया गया है।

ईरानी सेना ने की मिसाइलों की बारिश, एक साथ दागीं 16 मिसाइलें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। इजरायल के हमले के मंडराते खतरे के बीच ईरान ने एक साथ 16 मिसाइलें दागकर नेफ्ताली बेनेट सरकार को सीधी चेतावनी दी है। इसके साथ ईरान सेना का पिछले 5 दिनों से चल रहा युद्धाभ्यास खत्म हो गया है। ईरानी सेना के जनरलों ने कहा है कि मिसाइलों की यह बारिश इजरायल के लिए खुली चेतावनी है। ईरान ने जिन मिसाइलों का परीक्षण किया है, वे 350 किमी से लेकर 2000 किमी तक मार करने में सक्षम हैं। ईरान की सरकारी संवाद एजेंसी इरना ने शुक्रवार को बताया कि जिन मिसाइलों का परीक्षण किया गय है, उनमें इमाद, गदर, सेजिल, जलजल, देजफुल और जोल्फाघर आदि शामिल हैं। इरना ने बताया कि इन मिसाइलों ने एक लक्ष्य को निशाना बनाया। ठीक उसी समय 10 ड्रोन विमानों ने भी अपने लक्ष्यों को निशाना बनाया। ईरान के सरकार टीवी चैनल ने रेगिस्तान से ईरानी मिसाइलों को दागे जाने का वीडियो प्रसारित किया।

चीनी मछुआरों को नहीं लूटने देंगे ग्वादर का समुद्र

चेतावनी

इमरान खान को बलूच नेता ने चीन को लेकर दी चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में ब्लूचिस्तान के ग्वादर आंदोलन से जुड़े नेता मौलाना हिदायतुर रहमान ब्लूच ने इमरान खान सरकार को चेतावनी दी है। बलूच ने कहा है कि चीन–पाकिस्तान आर्थिक कोरिडोर (सीपीईसी) और ब्लूचिस्तान के संसाधनों पर स्थानीय लोगों का अधिकार है। मौलाना रहमान ने ओरमारा में ब्लूच मछुआरों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी को भी ब्लूचिस्तान समुद्र से संसाधनों की लूट खसोट नहीं करने दी जाएगी क्योंकि इन पर स्थानीय मछुआरों का हक है।

मौलाना बलूच चीनी वाणिज्यिक मछुआरा ट्रालर का जिक्र कर रहे थे जो अरब सागर में बड़े पैमाने पर मछलियां पकड़ रहे हैं। समाचार पत्र द डॉन के मुताबिक उन्होंने पाकिस्तानी नौसेना की ओर से की जा रही तारंबदी का जिक्र करते हुए कहा 'अगर अब से पाकिस्तान की नौसेना

ने तारंबदी की तो उसे ओरमारा के लोगों से इसके बारे में पूछना होगा नहीं तो हम इसे नष्ट कर देंगे।'

रोजगार स्थानीय युवकों के बजाए चीनी नागरिकों को दिए जा रहे

बता दें कि जिस क्षेत्र में चीन इस कोरिडोर का निर्माण कर रहा है या नौसैनिक परियोजनाओं में संलग्न हैं , उसके आसपास पाकिस्तानी सेना तारबंदी कर रही है। इसकी वजह से स्थानीय लोगों का इन क्षेत्रों में प्रवेश सीमित हो गया है तथा ब्लूचिस्तान में भी उनकी गतिविधियां सीमित होती जा रही हैं। यहां के लोगों में इस बात को लेकर भी गुस्सा है कि इस परियोजना से जुड़े रोजगार के अवसर स्थानीय युवकों के बजाए चीनी नागरिकों को दिए जा रहे हैं।

भौगोलिक और राजनीतिक मामलों के जानकार मार्क किनरा ने बताया कि मौलाना हिदायतुर का वह आंदोलन थोड़ा सफल होने के बाद वह चर्चा में आ गए हैं। वह इस बात को लेकर थोड़ा परेशान हो सकते हैं कि ब्लूच लोगों के अधिकारों के लिए उनका पाकिस्तान सरकार के साथ किया गया समझौता एक तरह से विफल हो गया है क्योंकि अभी भी इस क्षेत्र में चीनी ट्रालर दिखाई दे रहे हैं और कारोबारी रिश्वत मांगे जाने तथा अवैध नाका बिंदुओं की शिकायत कर रहे हैं।

एक लाख लोगों के साथ क्वेटा में करेंगे धरना प्रदर्शनः मौलाना हिदायतुर ने साफ तौर पर कहा है 'इस प्रांत के सारे संसाधन हमारे हैं, यह क्षेत्र हमारा है, सीपीईसी, यह तट और बंदरगाह भी हमारा है।इ उन्होंने ब्लूचिस्तान के मुख्यमंत्री को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो वह एक लाख लोगों के साथ क्वेटा में धरना प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा जब तक इस क्षेत्र से अवैध नाकाबंदी नहीं हटा दी जाती है और उन ट्रालर की गतिविधियों प्रतिबंध नहीं लगाया जाता तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में मदद करेगा यूएन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। भुखमरी की दहलीज पर खड़े अफगानिस्तान की मदद के लिए संयुक्त राष्ट्र करीब आठ अरब अमरीकी डालर जारी करने की योजना बना रहा है। ताकि अफगान के गवर्निंग सिस्टम और सामाजिक सेवाओं के पुनर्निर्माण किया जा सके।

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के मानवीय समन्वयक रमिज अलकबरोव ने कहा, हम अफगानिस्तान की वैकल्पिक सरकार नहीं बनना चाहते हैं। लेकिन इस वक्त सिस्टम का समर्थन करना जरूरी है। क्यों पिछले वर्षों में जो लाभ अर्जित किया गया है, उसका नुकसान ठीक नहीं है। आर्थिक गतिविधियों को पुनर्जीवित करने से भविष्य में कुछ विश्वास पैदा हो सकता है और शरणार्थियों के सामूहिक निकास को रोका जा सकता है। अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों और यूरोप के देशों को डर है कि आर्थिक तबाही लाखों निराश लोगों को उनकी सीमाओं पर तनाव पैदा कर सकती है। अलकबरोव ने कहा कि, अफगान आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए अगले साल तक करीब 350 करोड़ अमरीकी डालर की आवश्यकता होगी। यह फंडिंग स्कूलों और अस्पतालों को चालू रखेगी और उनके कर्मचारियों को भुगतान किया जाएगा।

आस्ट्रेलिया में मिली हाथों से चलने वाली दुर्लभ मछली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तस्मानिया। ऑस्ट्रेलिया में तस्मानिया के तट पर 22 साल में पहली बार हाथों से चलने वाली दुर्लभ मछली मिली है। यह हाथों से चलने वाली मछली गुलाबी रंग की है और अंतिम बार इसे साल 1999 में तस्मानिया में देखा गया था। इससे पहले यह केवल 4 बार ही देखी गई थी। ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने गहरे समुद्र में कैमरे से इस दुर्लभ मछली को तस्मान फ्रैक्चर मरीन पार्क में देखा है। इस मछली को हाल ही में दुर्लभ मछलियों की श्रेणी में रखा गया है। यह मछलियों की उन प्रजाति से ताल्लुक रखती है जिनके मुंह चौड़े होते थे।

धरती के सबसे करीब पहुंच गया था लियोनार्ड धूमकेतु

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। एक चीनी सैटेलाइट ने कॉमेट लियोनार्ड के एक अद्भुत नजारे को कैमरे में कैद किया जब यह धरती के सबसे नजदीक था। वीडियो में धूमकेतु का अरोरा साफतौर पर देखा जा सकता है। इस साल जनवरी में इसकी खोज की गई थी जिसके बाद से यह करीब 160,000 मील प्रति घंटे की रफ्तार से पृथ्वी और सूर्य की तरफ बढ़ रहा है। यह कॉमेट हमारी पृथ्वी के पास से होकर गुजर रहा है। बीते 12 दिसंबर को यह पृथ्वी के 70,000 सालों में सबसे करीब था, जब यह क्लिप रेकॉर्ड की गई।

इस नजारे को यांगवांग 1 ने

चीनी टेलिस्कोप ने खींची 70000 सालों में पहली फोटो

कैप्चर किया है जो चीन के ग्वांगडोंग में स्थित चीनी प्रौद्योगिकी कंपनी ओरिजिन स्पेस की ओर से लॉन्च किया गया एक छोटा सैटेलाइट है। यांगवांग 1 एक कमर्शियल स्पेस टेलिस्कोप है जिसे इस साल की शुरुआत में पराबैंगनी प्रकाश में ब्रह्मांड की तस्वीरें खींचने के लिए लॉन्च किया गया था। यह धरती के करीब मौजूद ऐस्टरॉइड पर भी खोज कर रहा है जिन्हें संभवतः एक दिन संसाधनों के लिए खनन किया जा सकता है और पृथ्वी पर वापस लाया जा सकता है।

इस स्पेसक्राफ्ट ने 12 दिसंबर 2021 को सितारों से भरे आसमान के बीच कॉमेट लियोनार्ड की तस्वीर खींची थी। इस रंगीन तस्वीर को ओरिजिन स्पेस ने शेयर किया है, जिसमें धूमकेतु को अपनी लंबी पूंछ के साथ रात के आकाश में देखा जा सकता है। इसकी पूंछ तब दिखाई पड़ती है जब यह गैस और पानी की बर्फ जैसी वाष्पशील सामग्री को बाहर की ओर फेंकता है जिससे इसकी चमक लगातार बदलती रहती है।

1 किमी चौड़ी बर्फ और धूल की गेंदः धूमकेतु लियोनार्ड 3 जनवरी, 2022 को कई सदियों बाद सूर्य के सबसे करीब पहुंचेगा। उस घटना को कैद करने के लिए नासा और ईएसए ने अपने सैटेलाइट उस दिशा में भेजे हैं।

चीन ने अब तिब्बितयों को भारत से लड़ाने की तैयारी शुरू की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ल्हासा। लद्दाख में भारतीय सैनिकों से कड़े प्रतिरोध का सामना रहे चीन ने अब तिब्बितयों को भारत से लड़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। चीनी अधिकारियों ने तिब्बती बच्चों को विशेष शिविरों में भेजना शुरू कर दिया है ताकि इन बच्चों को चीन के नजरिए से दुनिया के बारे में बताया जा सके। चीन इन बच्चों को हथियारों का मूलभूत प्रशिक्षण दे रहा है ताकि उन्हें मिलिशिया में शामिल किया जा सके। चीन ऐसे समय में इन तिब्बती बच्चों को शामिल कर रहा है जब लद्दाख में उसके सैनिक भीषण ठंड का सामना नहीं कर पा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इन शिविरों में ज्यादातर बच्चे अभी किशोर हैं लेकिन भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक ऐसी भी खबरें हैं कि इन शिविरों में 8 से 9 साल के बच्चों को भी भेजा गया है। इससे पहले इसी महीने तिब्बती एक्शन इंस्टीट्यूट ने एक रिपोर्ट जारी करके कहा कि चीनी अधिकारियों ने तिब्बत में बोर्डिंग स्कूलों का एक व्यापक नेटवर्क तैयार किया है ताकि वहां के बच्चों को उनके मां बाप से अलग किया जा सके।